7. Critically examine the doctrine of *saptabhanginaya*.

सप्तभंगीनय-वाद की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1397 **H**

Unique Paper Code : 12101401

Name of the Paper : Text of Indian Philosophy

Name of the Course : **B.A. (Hons) Philosophy (CBCS-LOCF)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **FIVE** questions in all.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. "All successful human action is preceded by right knowledge." Discuss.

"सभी पुरूषार्थों की सिद्धि पूर्ववत् सम्यक् ज्ञान से होती है"-चर्चा कीजिए ।

2. Examine this aphorism: *'tat pratyakṣaṁ kalpanāpodhaṁ abhr āntaṁ'.*

'तत् प्रत्यक्षम कल्पनपोढ़म अभ्रांतम'-इस सूत्र की परीक्षा कीजिए ।

3. Discuss the notion of Inference as elaborated in *Nyāymanjari.*

न्यायमंजरी में विस्तृत अनुमान की धारणा पर चर्चा कीजिए ।

4. Examine the significance of the Word-generated knowledge in *Sabarabhāsya.*

शाबरभाष्य के संदर्भ में शब्द-जनित ज्ञान के महत्व की जाँच कीजिए ।

5. Examine the Jaina doctrine of *Naya.*

जैन दर्शन के नय-सिद्धांत की परीक्षा कीजिए ।

6. Elucidate the debate between the schools of *Nyaya* and Buddhism on the structure of Inferential knowledge.

अनुमान जनित प्रमा की संरचना के संदर्भ में न्याय और बौद्ध दर्शन के वाद-विवाद पर प्रकाश डालिए ।